



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा  
भारत मौसम विज्ञान विभाग  
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय  
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड



## मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 07.11.2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान – जारी करने का दिन : 2023-11-07 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	08/11/2023	09/11/2023	10/11/2023	11/11/2023	12/11/2023
वर्षा (मीमी)	0.0	0.0	0.0	1.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	17.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	7.0	8.0	8.0	7.0	7.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	70	70	75	75	70
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6	6	6	8	8
पवन दिशा (डिग्री)	230	230	230	230	230
क्लाउड कवर (ओक्टा)	1	1	2	3	1

### सम सारांश / चेतावनी:

आने वाले पांच दिनों में हल्की बूदाबांदी का पूर्वानुमान है और क्षेत्र में अन्य दिनों में शुष्क स्थिति बनी रहने की संभावना है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 17.0-18.0 डिग्री सेल्सियस और 7.0-8.0 डिग्री सेल्सियस हो सकता है। दक्षिण-पश्चिम दिशा से 6-8 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा चलने का अनुमान है। 10 नवंबर, 2023 को नैनीताल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत हल्की से हल्की वर्षा होने की संभावना है और शेष अवधि के दौरान शुष्क मौसम रहने की संभावना है।

### सामान्य सलाहकार:

क्षेत्र के लिए विस्तारित सीमा पूर्वानुमान प्रणाली क्षेत्र में 3-9 नवंबर के लिए सामान्य वर्षा का संकेत देती है। क्षेत्र में एनडीवीआई समग्रता ने अच्छी कृषि शक्ति दिखाई है। किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पिछले सप्ताह के मौसम, मौसम पूर्वानुमान और कृषि मौसम संबंधी सलाह के लिए "मेघदूत ऐप" और बिजली गिरने की जानकारी प्राप्त करने के लिए "दामिनी ऐप" डाउनलोड करें। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड उपयोगकर्ता) और ऐप स्टोर (iOS उपयोगकर्ता) से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे उन्हें कृषि गतिविधियों के संबंध में सही निर्णय लेने में मदद मिलेगी।

### लघु संदेश सलाहकार:

10 नवंबर को हल्की बूदाबांदी की उम्मीद है जबकि अन्य दिनों में शुष्क स्थिति बनी रहेगी, इसलिए क्षेत्र में रबी फसलों की बुआई उसी के अनुसार की जा सकती है।

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

फ़सल	अवस्था	फ़सल विशिष्ट सलाह
तोरिया (लाही/घरिया) एवं पीली सरसों (राई)	बुवाई	असिंचित परिस्थितियों तथा निचली पहाड़ियों में बुआई माह के प्रथम सप्ताह तक कर देनी चाहिए।
अरहर/राजमा	तुड़ाई	पकी हुई फसल की तुड़ाई कर लेनी चाहिए और अच्छी तरह सुखाकर तथा मड़ाई करके अच्छी तरह भंडारण कर लेना चाहिए।
गेहूँ	बुवाई	असिंचित परिस्थितियों में, मध्य पहाड़ी इलाकों में बुआई महीने के पहले सप्ताह में की जानी चाहिए, जबकि घाटियों/निचली पहाड़ियों के मामले में दूसरे सप्ताह में।
चना/मसूर	बुवाई	पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और शेष बुआई महीने के पहले सप्ताह तक कर देनी चाहिए।

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

बागवानी	अवस्था	बागवानी विशिष्ट सलाह
प्याज	बुवाई	इस माह, किसान भाई प्याज की स्थानीय किस्मों के बीजों की बुवाई नर्सरी में कर सकते हैं।
सब्जी मटर	बुवाई	पिछले महीने बोई गई फसल की नियमित निगरानी करनी चाहिए और शेष बुआई महीने के पहले सप्ताह तक कर देनी चाहिए।
लहसुन	बुवाई	घाटी में लहसुन की बुवाई कर लेनी चाहिए।
मूली	रोपाई	बीज उत्पादन के लिए नए खेत में मूली, शलजम एवं गाजर की चयनित जड़ की रोपाई करनी चाहिए।

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय / भैंसों	पशुओं को एफएमडी (खुरपका और मुंहपका रोग) का टीका लगवाना चाहिए। पैर और मुंह की बीमारी की पहचान लाल आंखें, तेज बुखार, कम उत्पादकता और खानपान से होती है। संक्रमित पशुओं को स्वस्थ पशुओं से अलग रखा जाना चाहिए।

**अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह :**

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
सामान्य सलाह	देर से बोई गई खड़ी धान, उर्द, मूंग, सोयाबीन आदि की कटाई कर लेनी चाहिए ताकि रबी की फसल समय पर बोई जा सके।